राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • शनिवार • 8 अप्रैल • 2023

ꣿसान गेहूं की कटाई-मड़ाई में बरतें सावधानियां

हारा न्यूज ब्यूरो

ुर।

ए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि ने गेहूं व फसल की कटाई-मड़ाई के दृष्टिगत ों को विशेष सावधानियां वरतने की दी है। अक्सर थोड़ी सी असावधानी से ार खेत-खलिहानों में आग लग जाती सिंग कार्य करते समय भी असावधानी टनाओं का खतरा रहता है व कई वार ा खुद भी चोटिल हो जाते हैं या उसका ग हो जाता है।

विवि के शोध निदेशालय के वैज्ञानिक ारके सिंह ने एडवाइजरी जारी कर कहा किसान खेतों पर कार्य करने वाले लोगों ए सुरक्षात्मक कदम उठाते हुए फसलों टाई-मड़ाई आदि कार्य संपन्न करें। गेहूं सों की फसल काटते समय अपना मुंह या अंगौछे से ढक कर रखें।

निदेशालय के डॉ. भानु ने वताया कि न मशीन, रीपर या अन्य यंत्रों जैसे द्वारा गेहूं कटाई करते समय कभी-चिंगारियां निकलती हैं। इसके अलावा कटाई करने वाले लोगों द्वारा धूम्रपान ोग किया जाता है, जिसकी चिंगारी से जलकर राख हो सकती है। किसान नी वरतें ऐसे समय में कोई धूम्रपान न पाये। उन्होंने फसल मड़ाई व थ्रेसिंग करते समय अनुपयोगी जूट के वोरे आदि को पूर्ण रूप से पानी में डुवोकर आसपास जरूर रखने की सलाह दी है, जिससे आग लगने की दशा में उनकी मदद से आग वुझायी जा सके। मड़ाई यंत्र को समतल दशा में स्थापित करने व थ्रेसर में लगाई गई सुरक्षा तंत्रों को न हटाने को भी कहा है। किसान शरीर पर ढ़ीले कपड़े, घड़ी, कड़ा आदि भी थ्रेसर पर कार्य करते समय न पहनें।

फसल की थ्रेसिंग करते किसान।

सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि की सलाह

आग लगने की आशंकाओं का रखें ध्यान, थ्रेसर पर कार्य करते समय रहें सतर्क

विवि के सहायक निदेशक शोध डॉ. मनोज मिश्रा ने कहा है कि फसल थ्रेसर में लगाते समय हाथ को उचित दूरी पर ही रखें और चौकस व सावधान रहें। थ्रेसर में किसी प्रकार का समायोजन तभी करें जव इंजन या मोटर वंद हो। थ्रेसर चलाने के पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि थ्रेसर की सभी घूमने वाली वस्तुएं विना रुकावट के घूम रही हों।

राष्ट्रीय सहारा
09/04/2023

सब्जी फसलों में कीट प्रबंधन की दी जानकारी

कानपुर। सीएसए कृषि विवि के कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डॉ. अजय कुमार ने सब्जी उत्पादक किसानों को एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि गर्मी के मौसम में सब्जियों में कई प्रकार के कीड़े लगते हैं, जिनका प्रबंधन किया जाना नितांत आवश्यक है। ऐसा न करने से किसान का आर्थिक नुकसान होता है। उन्होंने कहा कि एक आंकलन के अनुसार कीटों से 30 से 40 फीसद तक पैदावार में नुकसान होता है। उन्होंने कहा कि सब्जियों के फलों पर मक्खी कीट का प्रकोप ज्यादा होता है। जो नरम फलों में सुरंग करता है और फल अंदर से सड़ जाता है। इसी तरह लाल भृंग कीट भी पत्तियों और फलों की ऊपरी सतह को चट करता है। इनकी रोकथाम के लिए मेलाथियान 50 ईसी नामक कीटनाशक का बुरकाव फसल पर करना चाहिए।

WORLD खबर EXPRESS

WORLD
खबर एक्सप्रेस

शुक्रवार 07 अप्रैल, 2023 | अंक - 342

www.worldkhabarexpress.media
www.worldkhabarexpress.com

www.twitter.com/worldkhabarexpress www.facebook.com/worldkhabarexpress www.youtube.com/worldkhabarexpress MID

गेहूं फसल की कटाई-मड़ाई करते समय रखें विशेष सावधानियां: डॉ. आर.के. सिंह

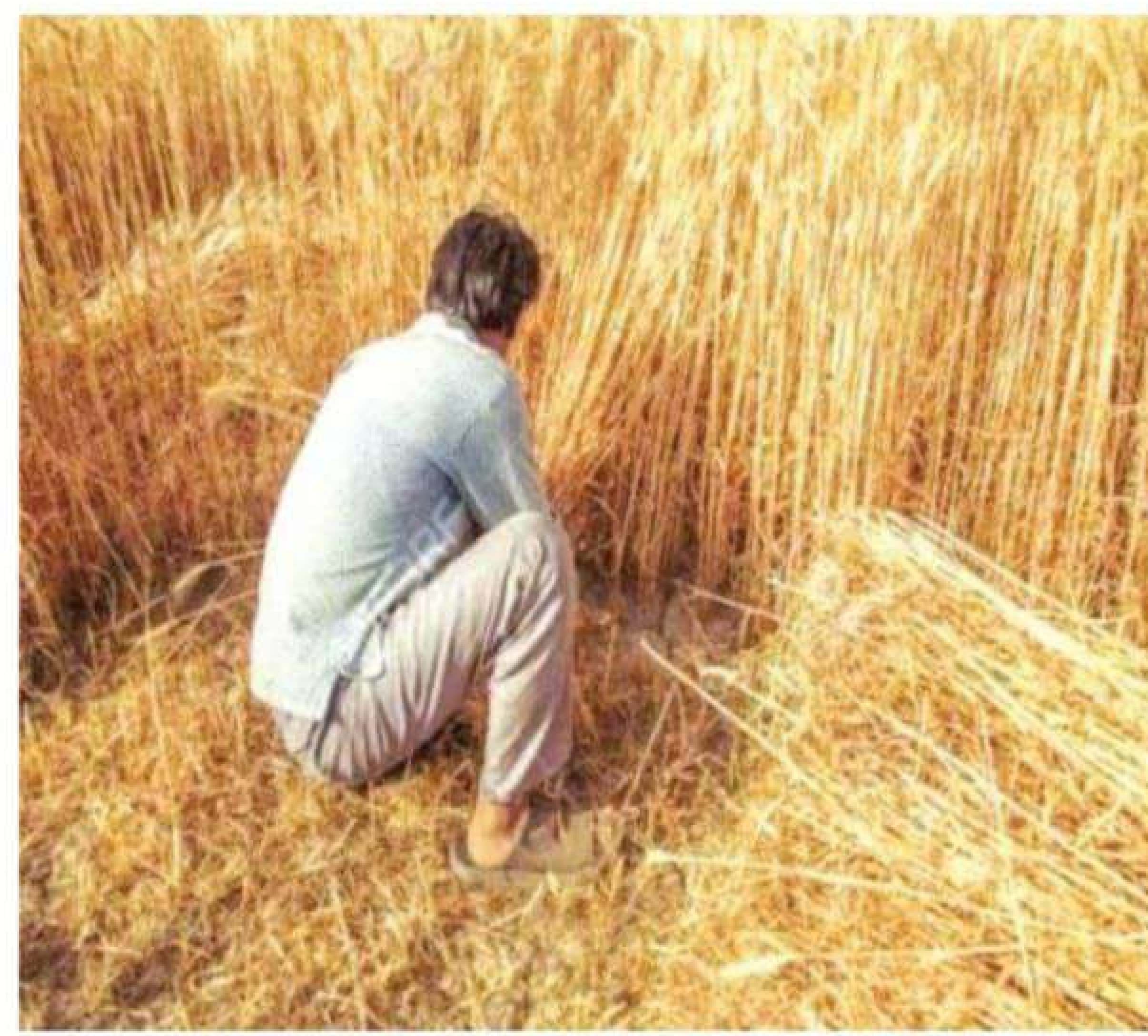

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में आज शोध निदेशालय के वैज्ञानिक डॉक्टर आर के सिंह ने एडवाइजरी जारी कर कहा है।कि किसान भाई अपने खेतों पर कार्य करने वाले लोगों के लिए सुरक्षात्मक कदम उठाते हुए फसलों की कटाई एवं मड़ाई इत्यादि कार्य संपन्न करें। उन्होंने कहा है कि गेहूं या सरसों की फसल काटते समय अपना मुंह मास्क या अंगोछे से ढक कर रखें। डॉक्टर भानु ने बताया कि किसान भाई कंबाइन मशीन, रीपर या अन्य यंत्रों जैसे हसिया द्वारा गेहूं की कटाई करते हैं कृषि यंत्रों के प्रयोग करते समय कभी-कभी चिंगारियां निकलती है या फसल कटाई करने वाले लोगों द्वारा धूम्रपान का प्रयोग किया जाता है ।जिसकी चिंगारी से फसल जलकर राख हो सकती है ऐसे समय में किसान भाई सावधानी बरतें की कोई धूम्रपान न करने पाए किसान भाइयों के पास फसल मड़ाई करते समय अनुपयोगी जूट के बोरे आदि को पूर्ण रूप से पानी में डुबोकर थ्रेशिंग कार्य करते समय आसपास जरूर रखें। जिससे आग लगने की दशा में गीले बोरों को डालकर आग बुझाया जा सके। तथा बड़ी दुर्घटना से बचा जा सके। मड़ाई यंत्र को समतल दशा में स्थापित करें तथा थ्रेसर में लगाई गई सुरक्षा तंत्रों को न हटाए । डॉ सिंह ने किसान भाइयों को यह भी एडवाइजरी दी है की थ्रेसर पर कार्य करते समय शरीर पर ढीले कपड़े, घड़ी, कड़ा इत्यादि पहनकर कार्य न करें। विश्वविद्यालय के सहायक निदेशक शोध डॉ मनोज मिश्रा ने बताया कि फसल थ्रेसर में लगाते समय हाथ को उचित दूरी पर ही रखें तथा थ्रेशिंग कार्य करते समय आपस में बातें न करें। इस समय चौकस रहने की आवश्यकता होती है। डॉक्टर मिश्रा ने कहा कि थ्रेसर में किसी प्रकार का समायोजन तभी करें जब इंजन या मोटर बंद हो।थ्रेसर को चलाने के पूर्व यह सुनिश्चित कर ले की थ्रेसर की सभी घूमने वाली वस्तुएं बिना रुकावट के घूम रही हो। किसान भाई इन सब बातों को ध्यान में रखकर फसल की कटाई एवं मड़ाई का कार्य संपादित करें।

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

समाज में सेवा का भाव जगाना जरूरी... 12

अजीत डोभाल ने की विंध्य कॉरिडोर की प्रशंसा... 10

जन एक्सप्रेस

लखनऊ

वर्ष: 14 | अंक: 175

मूल्य: ₹3.00/-

पेज : 12

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

शनिवार | 08 अप्रैल, 2023

गौ आधारित प्राकृतिक खेती पर दिया गया जोर

जन एक्सप्रेस, कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के प्रक्षेत्र पर लगे गौ आधारित प्राकृतिक खेती के गेहूं के परीक्षण को जनपद फर्रुखाबाद के किसानों के दल ने बीते दिन शुक्रवार को स्वयं आकर देखा। इस अवसर पर केंद्र के प्रभारी डॉ.ए.के.सिंह ने किसानों से कहा कि आज प्राकृतिक खेती की आवश्यकता है क्योंकि रसायनों के अधिकाधिक प्रयोग से मानव ,मृदा तथा पर्यावरण स्वास्थ्य निरंतर खराब होता जा रहा है। उन्होंने किसानों को गौ आधारित प्राकृतिक खेती अपनाने की सलाह दी जिससे मृदा स्वास्थ्य के साथ ही मानव स्वास्थ्य भी सही रहे। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसानों को नीमस्त्र, ब्रह्मास्त्र, जीवामृत, वीजामृत आदि के बनाने की वैज्ञानिक तकनीकी को समझाया। उन्होंने कहा कि इन खादों में पौधों के लिए आवश्यक सभी 17 पोषक तत्व उपलब्ध रहते हैं। जिससे किसानों की कृषि लागत में कमी आती है व उत्पादन बढ़ता है। डॉक्टर निमिषा अवस्थी, डॉक्टर राजेश राय सहित अन्य वैज्ञानिकों ने भी जानकारी दी। फर्रुखाबाद के 60 से अधिक किसानों के दल ने कृषि विज्ञान केंद्र पर लगे गौ आधारित प्राकृतिक खेती का अवलोकन कर जानकारी प्राप्त की।

गेहूं फसल की कटाई मड़ाई करते समय रखें विशेष सावधानियां : डॉ. आरके सिंह

भारत कनेक्ट संवाददाता

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में आज शोध निदेशालय के वैज्ञानिक डॉक्टर आर के सिंह ने एडवाइजरी जारी कर कहा है।कि किसान भाई अपने खेतों पर कार्य करने वाले लोगों के लिए सुरक्षात्मक कदम उठाते हुए फसलों की कटाई एवं मड़ाई इत्यादि कार्य संपन्न करें। उन्होंने कहा है कि गेहूं या सरसों की फसल काटते समय अपना मुंह मास्क या अंगोछे से ढक कर रखें। डॉक्टर भानु ने बताया कि किसान भाई कंबाइन मशीन, रीपर या अन्य यंत्रों जैसे हसिया द्वारा गेहूं की कटाई करते हैं कृषि यंत्रों के प्रयोग करते समय कभी-कभी चिंगारियां निकलती है या फसल कटाई करने वाले

लोगों द्वारा धूम्रपान का प्रयोग किया जाता है। जिसकी चिंगारी से फसल जलकर राख हो सकती है ऐसे समय में किसान भाई सावधानी बरतें की कोई धूम्रपान न करने पाए किसान भाइयों के पास फसल मड़ाई करते समय अनुपयोगी जूट के बोरे आदि को पूर्ण रूप से पानी में डुबोकर थ्रेशिंग कार्य करते समय आसपास जरूर रखें। जिससे आग लगने की दशा में गीले बोरों को डालकर आग बुझाया जा सके। तथा बड़ी दुर्घटना से बचा जा सके। मड़ाई यंत्र को समतल दशा में स्थापित करें तथा थ्रेसर में लगाई गई सुरक्षा तंत्रों को न हटाए।

डॉ सिंह ने किसान भाइयों को यह भी एडवाइजरी दी है की थ्रेसर पर कार्य करते समय शरीर पर ढीले कपड़े, घड़ी, कड़ा इत्यादि पहनकर कार्य न करें। विश्वविद्यालय के सहायक निदेशक शोध डॉ मनोज मिश्रा ने बताया कि फसल थ्रेसर में लगाते समय हाथ को उचित दूरी पर ही रखें तथा थ्रेशिंग कार्य करते समय आपस में बातें न करें। इस समय चौकस रहने की आवश्यकता होती है। डॉक्टर मिश्रा ने कहा कि थ्रेसर में किसी प्रकार का समायोजन तभी करें जब इंजन या मोटर बंद हो।थ्रेसर को चलाने के पूर्व यह सुनिश्चित कर ले की थ्रेसर की सभी घूमने वाली वस्तुएं बिना रुकावट के घूम रही हो। किसान भाई इन सब बातों को ध्यान में रखकर फसल की कटाई एवं मड़ाई का कार्य संपादित करें।

र्ष-17 अंक-95 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, शनिवार 08 अप्रैल 2023

नपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात में प्रसारित

RNI N.UPHIN/2007/27090

दैनिक नगर छाया

आप की आवाज़.....

गेहूं फसल की कटाई व मड़ाई करते समय रखें विशेष सावधानियां: डॉ. आर.के. सिंह

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में आज शोध निदेशालय के वैज्ञानिक डॉक्टर आर के सिंह ने एडवाइजरी जारी कर कहा है।कि किसान भाई अपने खेतों पर कार्य करने वाले लोगों के लिए सुरक्षात्मक कदम उठाते हुए फसलों की कटाई एवं मड़ाई इत्यादि कार्य संपन्न करें। उन्होंने कहा है कि गेहूं या सरसों की फसल काटते समय अपना मुंह मास्क या अंगोछे से ढक कर रखें। डॉक्टर भानु ने बताया कि किसान भाई कंबाइन मशीन, रीपर या अन्य यंत्रों जैसे हसिया द्वारा गेहूं की कटाई करते हैं कृषि यंत्रों के प्रयोग करते समय कभी-कभी चिंगारियां निकलती है या फसल कटाई करने वाले लोगों द्वारा धूम्रपान का प्रयोग किया जाता है।जिसकी चिंगारी से फसल जलकर राख हो सकती है ऐसे समय में किसान भाई सावधानी बरतें की कोई धूम्रपान न करने पाए किसान भाइयों के पास फसल मड़ाई करते समय अनुपयोगी जूट के बोरे आदि को पूर्ण रूप से पानी में डुबोकर थ्रेशिंग कार्य करते समय आसपास जरूर रखें। जिससे आग लगने की दशा में गीले बोरों को डालकर आग बुझाया जा सके। तथा बड़ी दुर्घटना से बचा जा सके। मड़ाई यंत्र को समतल दशा में स्थापित करें तथा थ्रेसर में लगाई गई सुरक्षा तंत्रों को न हटाए । डॉ सिंह ने किसान भाइयों को यह भी एडवाइजरी दी है की थ्रेसर पर कार्य करते समय शरीर पर ढीले कपड़े, घड़ी, कड़ा इत्यादि पहनकर कार्य न करें। विश्वविद्यालय के सहायक निदेशक शोध डॉ मनोज मिश्रा ने बताया कि फसल थ्रेसर में लगाते समय हाथ को उचित दूरी पर ही रखें तथा थ्रेशिंग कार्य करते समय आपस में बातें न करें। इस समय चौकस रहने की आवश्यकता होती है। डॉक्टर मिश्रा ने कहा कि थ्रेसर में किसी प्रकार का समायोजन तभी करें जब इंजन या मोटर बंद हो।थ्रेसर को चलाने के पूर्व यह सुनिश्चित कर ले की थ्रेसर की सभी घूमने वाली वस्तुएं बिना रुकावट के घूम रही हो। किसान भाई इन सब बातों को ध्यान में रखकर फसल की कटाई एवं मड़ाई का कार्य संपादित करें।

रहा। उनको याद किया। पादरी जितेन्द्र सिंह न कुमार आदि थे।

गेहूं की कटाई व मड़ाई करते समय रखें विशेष सावधानियां

■ फसल काटते समय अपना मुंह ढंककर रखें किसान

कानपुर, 7 अप्रैल। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की ओर से आज शोध निदेशालय के वैज्ञानिक डॉक्टर आर के सिंह ने एडवाइजरी जारी करते हुए कहाकि किसान भाई अपने खेतों पर कार्य करने वाले लोगों के लिए सुरक्षात्मक कदम उठाते हुए फसलों की कटाई एवं मड़ाई इत्यादि कार्य संपन्न करें। उन्होंने कहा है कि गेहूं या सरसों की फसल काटते समय अपना मुंह मास्क या अंगोछे से ढक कर रखें। डॉ भानु ने बताया कि किसान भाई कंबाइन मशीन, रीपर या अन्य यंत्रों जैसे हंसिया द्वारा गेहूं की कटाई करते हैं कृषि यंत्रों के प्रयोग करते समय कभी-कभी चिंगारियां निकलती है या फसल कटाई करने वाले लोगों द्वारा धूम्रपान का प्रयोग किया जाता है ।जिसकी चिंगारी से फसल जलकर राख हो सकती है ऐसे समय में किसान भाई सावधानी बरतें की कोई धूम्रपान न करने पाए किसान भाइयों के पास फसल मड़ाई करते समय अनुपयोगी जूट के बोरे आदि को पूर्ण रूप से पानी में डुबोकर थ्रेशिंग कार्य करते समय आसपास जरूर रखें। जिससे आग लगने की दशा में गीले बोरों को डालकर आग बुझाया जा सके। तथा बड़ी दुर्घटना से बचा जा सके। मड़ाई यंत्र को समतल दशा में स्थापित करें तथा थ्रेसर में लगाई गई सुरक्षा तंत्रों को न हटाए । डॉ सिंह ने किसान भाइयों को यह भी एडवाइजरी दी है की थ्रेसर पर कार्य करते समय शरीर पर ढीले कपड़े, घड़ी, कड़ा इत्यादि पहनकर कार्य न करें। विश्वविद्यालय के सहायक निदेशक शोध डॉ मनोज मिश्रा ने बताया कि फसल थ्रेसर में लगाते समय हाथ को उचित दूरी पर ही रखें तथा थ्रेशिंग कार्य करते समय आपस में बातें न करें। इस समय चौकस रहने की आवश्यकता होती है। डॉक्टर मिश्रा ने कहा कि थ्रेसर में किसी प्रकार का समायोजन तभी करें जब इंजन या मोटर बंद हो।थ्रेसर को चलाने के पूर्व यह सुनिश्चित कर ले की थ्रेसर की सभी घूमने वाली वस्तुएं बिना रुकावट के घूम रही हो। किसान भाई इन सब बातों को ध्यान में रखकर फसल की कटाई एवं मड़ाई का कार्य संपादित करें।